



पाठ-नौ यातायात के नियम

राजमार्ग, यातायात, व्यापक, जनपथ, वाहन, सावधानी, पट्टी,
चौराह, बत्ती, दुर्घटना।

(आठवीं कक्षा के विद्यार्थीगण। तीसरी घण्टा। अध्यापक का प्रवेश। विद्यार्थी खड़े होकर अध्यापक को प्रणाम करते हैं।)

विद्यार्थी - प्रणाम गुरुजी।

अध्यापक - प्रणाम! सभी बैठ जाओ।

विद्यार्थी - गुरुजी, आपने कल कहा था कि आज यातायात के बारे में कुछ नियम बताएँगे। अब बताइए।

अध्यापक - अच्छा, तुम लोग ध्यान से सुनो। विश्व भर में यातायात के सब से सरल और व्यापक साधन हैं - सड़क यातायात और रेल-यातायात। हमारे देश में भी सब से महत्वपूर्ण और प्रमुख साधन रेल-गाड़ियाँ और मोटर-गाड़ियाँ हैं। इसके बाद हवाई-जहाज तथा पानी के जहाज का स्थान है।

विद्यार्थी - गुरुजी, भारत के सभी शहर किससे जुड़े जाते हैं ?

अध्यापक - सुनो, वह भी बताता हूँ। भारत के सभी शहर मोटर-गाड़ियाँ जा सकने वाली सड़कों से जुड़े हुए हैं। मोटर-गाड़ी यातायात का सबसे सरल और व्यापक साधन है। भारत की सड़कों को तीन प्रकार से विभाजित किया जा सकता है - (क) अन्तर्राष्ट्रीय जनपथ, (ख) राष्ट्रीय राजमार्ग और (ग) राज्य के अन्तर्गत नगरों और गाँवों को जोड़ने वाली सड़कें। इन सड़कों पर वाहनों और पैदल चलने वालों के लिए नियमों का पालन करना अनिवार्य है। इन्हें यातायात का नियम कहा जाता है।

विद्यार्थी - गुरुजी, यातायात के कौन-कौन से नियम होते हैं ?

अध्यापक - यातायात के अनेक नियम होते हैं। पैदल चलनेवालों को सड़क के बाईं ओर बने फुटपाथ पर ही चलना चाहिए। यदि किसी सड़क पर फुटपाथ नहीं बना हो तो सब को बाईं ओर के किनारे पर ही चलना चाहिए। यदि सड़क पार करनी हो तो “जेबरा क्रॉस रोड” का प्रयोग करना चाहिए। पहले बाईं ओर देखकर पता लगाना चाहिए कि दूर तक कोई वाहन तो नहीं आ रहा है; फिर दाईं ओर देखना चाहिए। उसके बाद एक बार फिर बाईं ओर देखकर सावधानी के साथ सड़क पार करनी चाहिए। जहाँ “जेबरा क्रॉस रोड” हो, वहाँ भी सड़क पार करते समय इन सारी सावधानियों का पालन करना चाहिए।

विद्यार्थी - गुरुजी, “जेबरा क्रॉस रोड” किसे कहते हैं ?



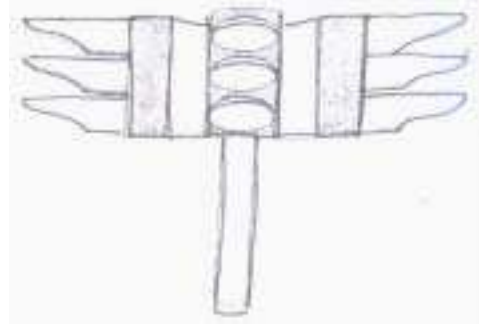
अध्यापक - यह सड़क पार करने का एक विशेष स्थान होता है। सड़क की चौड़ाई पर सफेद और काले रंग से टेढ़ी पट्टियाँ बनी होती हैं। इनका उद्देश्य सड़क पार करने के स्थान की पहचान बताना होता है। इस पट्टियों वाली जगह को ही “जेबरा क्रॉस रोड” कहा जाता है।

विद्यार्थी - गुरुजी, सड़क पर वाहन चलाते समय कौन-कौन सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए ?

अध्यापक - सब से पहले सावधानी तो यह है कि कभी भी वाहन निर्धारित गति-सीमा से अधिक गति से नहीं चलाना चाहिए। दूसरी बात यह कि चौराहा पार करते समय वहाँ यातायात-खंभों पर लगी बत्तियों के संकेतों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए।

विद्यार्थी - गुरुजी, यातायात-खंभा क्या होता है ?

अध्यापक - चौराहों पर यातायात को नियन्त्रित करने के लिए खंभे लगे रहते हैं। इनपर तीन रंगों की बल्लियाँ लगी रहती हैं। सब से ऊपर लाल, बीच में पीली और सब से नीचे हरी बल्लि होती है। लाल बल्लि रुकने और हरी जाने का संकेत करती है। बीच वाली पीली बल्लि जाने के पूर्व तैयार होने का संकेत करती है। सभी वाहन-चालकों को इन बल्लियों के संकेत समझ कर वाहन चलाना चाहिए।



विद्यार्थी - यह तो बहुत अच्छा नियम है।

अध्यापक - हाँ-हाँ, सारे नियम अच्छे होते हैं। सभी लोगों को हमेशा यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। ऐसा करके सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।

विद्यार्थी - गुरुजी, आज आपने हमें यातायात के नियमों की जानकारी दी है। धन्यवाद गुरुजी।

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझिए :

यातायात	=	आना-जाना, गमनागमन।
राजमार्ग	=	मुख्य सड़क, राज्य द्वारा विशेष घोषित मार्ग।
वाहन	=	घोड़ा, रथ, गाड़ी या अन्य कोई सवारी।
चौराहा	=	वह जगह जहाँ चार रास्ते मिलें।

2. उत्तर दीजिए :

- (क) यातायात के सब से सरल और व्यापक साधन क्या है ?
- (ख) भारत के सभी शहर किससे जुड़े हुए हैं ?
- (ग) भारत की सड़कों को कितने प्रकार से विभाजित किया जा सकता है और क्या-क्या हैं ?
- (घ) यातायात के नियम किसे कहते हैं ?

- (ड) यातायात के कौन-कौन से नियम होते हैं ?
- (च) जेबरा क्रॉस रोड किसे कहते हैं ?
- (छ) सड़क पर वाहन चलाते समय कौन-कौन सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए ?
- (ज) यातायात-खंभा क्या होता है ?
- (झ) यातायात-खंभे पर लगी तीन रंगों की बत्तियाँ क्या-क्या संकेत करती हैं ?
- (ञ) सड़क दुर्घटनाओं को कैसे कम किया जा सकता है ?
- (ट) यातायात के नियमों का पालन न करने से क्या-क्या मुसीबतें आ सकती हैं ?
- (ठ) मणिपुर की यातायात-व्यवस्था के बारे में आपके विचार प्रकट कीजिए।

3. वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

यातायात -----
 व्यापक -----
 राजमार्ग -----
 वाहन -----
 चौराहा -----
 संकेत -----
 दुर्घटना -----
 बत्ती -----

4. सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (X) का निशान लगाइए :

- (क) मोटर-गाड़ी यातायात का सब से सरल और व्यापक साधन है। ☐
- (ख) वाहनों और पैदल चलने वालों के लिए कोई नियम नहीं है। ☐
- (ग) जेबरा क्रॉस रोड सड़क पार करने का एक विशेष स्थान होता है। ☐
- (घ) यातायात-खंभे पर तीन रंगों की बत्तियाँ लगी रहती हैं। ☐
- (ङ) हमें हमेशा यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। ☐

5. वाक्य पूरा कीजिए :

- (क) इसके बाद हवाई-जहाज ----- ।
(ख) यदि सड़क पार करनी हो तो ----- ।
(ग) जेब्रा क्रॉस रोड का उद्देश्य सड़क पार करने के ----- ।
(घ) वाहन-चालकों को बलितियों के ----- ।
(ङ) ऐसा करके सड़क दुर्घटानों को ----- ।

6. पढ़िए और याद रखिए :

फुटपाथ पर चलना चाहिए।

जेबरा क्रॉस रोड का प्रयोग करना चाहिए।

ध्यान देकर पता लगाना चाहिए।

इन सारी सावधानियों का पालन करना चाहिए।

समय पर काम होना चाहिए।

“चाहिए” का प्रयोग करते समय मुख्य क्रिया का रूप “धातु+ना” होना चाहिए, जैसे – चलना चाहिए, करना चाहिए, लगाना चाहिए, पूछना चाहिए, होना चाहिए, आदि।

7. ध्यान से पढ़िए और समझिए :

इस पठित पाठ में एक वाक्य है – “भारत के सभी शहर मोटर-गाड़ियाँ जा सकने वाली सड़कों से जुड़े हुए हैं”। इस वाक्य में “भारत के सभी शहर” कर्ता है, “मोटर-गाड़ियाँ जा सकने वाली सड़कों से” करण (साधन) है और “जुड़े हुए हैं” क्रिया है। कर्ता में तीन पद हैं, करण में चार पद हैं और क्रिया में भी तीन पद हैं। प्रत्येक व्याकरणिक स्थान पर एक से अधिक पदों के समूह का प्रयोग है, इस प्रकार के पदों के समूह को पदबन्ध कहते हैं।

पदबन्ध मुख्य रूप से चार प्रकार के होते हैं –

- (क) संज्ञा पदबन्ध
(ख) विशेषण पदबन्ध
(ग) क्रिया पदबन्ध
(घ) क्रिया-विशेषण पदबन्ध

- (क) संज्ञा पदबन्ध :— इस प्रकार के पदबन्ध में मुख्य पद संज्ञा होता है। जैसे— भारत के सभी **शहर**, मोटर-गाड़ियाँ जा सकते वाली **सड़क**, अच्छा **लड़का**, चाओबा का **पुत्र**, आते-जाते **लोग** आदि।
- (ख) विशेषण पदबन्ध :— इस प्रकार के पदबन्ध में मुख्य पद विशेषण होता है। जैसे - बहुत **सुन्दर**, एकदम **सफेद**, भीम-सा **बलवान** आदि।
- (ग) क्रिया पदबन्ध :— इस प्रकार के पदबन्ध में मुख्य पद क्रिया होता है। जैसे - **खाता** है, **जुड़े** हुए हैं, **गिर** पड़ा, **खा** रहा है, **कर** सकता हूँ आदि।
- (घ) क्रिया-विशेषण पदबन्ध :— इस प्रकार के पदबन्ध में क्रिया-विशेषण मुख्यपद के स्थान पर होता है। जैसे - पढ़ते-पढ़ते, रोते हुए, मेरे घर के चारों ओर, सड़क के किनारे आदि।